



**Composite Agro-met Advisory Service Bulletin
for the State of Arunachal Pradesh**

**on
25th July 2023**

**For the period
(26th July 2023 to 30th July 2023)**

issued by

Meteorological Centre Itanagar, ARUNACHAL PRADESH

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

in collaboration with

AMFU, BASAR

&

Department of Agriculture, Govt. of Arunachal Pradesh

ARUNACHAL PRADESH is considered as one 1-Agro climate zone. The state is having 25-districts.

Agro Climatic Zone/Districts for the State of Arunachal Pradesh

Agroclimatic Zone	Districts	Agromet Field Unit (AMFU) Location
Arunachal Pradesh	TAWANG; WEST KAMENG; EAST KAMENG; PAKKE KESSANG; PAPUM PARE; LOWER SUBANSIRI; KRA DADDI; KURUNG KUMEY; KAMLE; UPPER SUBANSIRI; LEPA RADA; LOWER SIANG; SHI YOMI; EAST SIANG; SIANG; WEST SIANG; UPPER SIANG; LOWER DIBANG VALLEY; DIBANG VALLEY; ANJAW; LOHTI; NAMSAI; CHANGLANG; TIRAP; LONGDING	BASAR



DATE 25-Jul-2023

DAILY WEATHER REPORT FOR ARUNACHAL PRADESH

SUMMARY OF OBSERVATIONS RECORDED AT 0830 HRS IST :-

No significant weather system over the region.

Available data indicates that MODERATE TO HEAVY rain occurred at most places over Arunachal Pradesh during last 24 hrs. Day temperatures had NO LARGE CHANGE over Arunachal Pradesh during last 24 hrs. Those were APPRECIABLY ABOVE NORMAL over Arunachal Pradesh. Night temperatures had NO LARGE CHANGE over Arunachal Pradesh during last 24 hrs. Those were NORMAL over Arunachal Pradesh .

CHIEF AMOUNT OF RAINFALL IN Cm :-

ITANAGAR	8	HOLLONGI	2	NAMPONGCIRCLE	1
BHALUKPONG	7	TEZU	2		
YUPIA	6	MIAO	2		
PASIGHAT	5	YAZALI	2		
NAMSAI	5	DOLLONGMUKH	2		
TUTING	3	BASAR	1		
SEPPA	3	MEBO	1		

Realized RF Distribution

WS(78%)

<https://mausam.imd.gov.in/itanagar/mcdata/rain24.pdf>

FORECAST VALID FOR NEXT 5-DAYS for ARUNACHAL PRADESH

DAY 1 :	25-Jul-2023	Moderate to heavy rain is very likely to occur at Many places over Arunachal Pradesh.
DAY 2:	26-Jul-2023	Moderate to heavy rain is very likely to occur at Many places over Arunachal Pradesh.
DAY 3:	27-Jul-2023	Moderate to heavy rain is very likely to occur at Most places over Arunachal Pradesh.
DAY 4:	28-Jul-2023	Moderate to heavy rain is very likely to occur at Most places over Arunachal Pradesh.
DAY 5:	29-Jul-2023	Moderate to heavy rain is very likely to occur at Many places over Arunachal Pradesh.

WARNINGS VALID FOR NEXT 5-DAYS for ARUNACHAL PRADESH

DAY 1:	25-Jul-2023	Thunderstorm with lightning is very likely to occur at isolated places over Arunachal Pradesh.Heavy rain is very likely to occur at isolated places over Arunachal Pradesh.
DAY 2:	26-Jul-2023	Thunderstorm with lightning is very likely to occur at isolated places over Arunachal Pradesh.Heavy rain is very likely to occur at isolated places over Arunachal Pradesh.
DAY 3:	27-Jul-2023	Heavy to very heavy rain is very likely to occur at isolated places over Arunachal Pradesh.
DAY 4:	28-Jul-2023	Heavy to very heavy rain is very likely to occur at isolated places over Arunachal Pradesh.
DAY 5:	29-Jul-2023	Heavy rain is very likely to occur at isolated places over Arunachal Pradesh.

*****LEGENDS*****

Dry Weather	DRY(No Rain)
ISOL RA/TS (<25%)	ISOLATED (ISOL/At One or Two Places)
SCT RA/TS(25%-50%)	SCATTERED (SCT/At a Few Places)
FWS RA/TS(50%-75%)	FAIRLY WIDESPREAD (FWS/At Many Places)
WS RA/TS(>75%)	WIDESPREAD (WS/At Most Places)

No Warning (No Action)

WATCH (Be Updated)

ALERT (Be prepared)

WARNING (Take Action)

District Level Forecast

https://mausam.imd.gov.in/itanagar/mcdata/AP_forecast.pdf

District Level Warning

https://mausam.imd.gov.in/itanagar/mcdata/AP_warning.pdf

LOCAL FORECAST FOR ITANAGAR AND PASSIGHAT VALID FOR NEXT 7-DAYS

ITANAGAR

	DATE	Min Temp	Max Temp	Weather
DAY 1:	25-Jul-2023	21	31	Generally cloudy sky with one or two spells of rain or thundershowers.
DAY 2 :	26-Jul-2023	21	32	Generally cloudy sky with one or two spells of rain or thundershowers.
DAY 3:	27-Jul-2023	23	31	Generally cloudy sky with one or two spells of rain or thundershowers.
DAY 4:	28-Jul-2023	23	31	Generally cloudy sky with one or two spells of rain or thundershowers.
DAY 5:	29-Jul-2023	24	31	Generally cloudy sky with one or two spells of rain or thundershowers.
DAY 6:	30-Jul-2023	24	32	Rain or Thundershowers
DAY 7:	31-Jul-2023	24	32	Rain or Thundershowers

PASSIGHAT

	DATE	Min Temp	Max Temp	Weather
DAY 1:	25-Jul-2023	25	33	Generally cloudy sky with one or two spells of rain or thundershowers
DAY 2 :	26-Jul-2023	25	34	Generally cloudy sky with one or two spells of rain or thundershowers
DAY 3:	27-Jul-2023	24	32	Generally cloudy sky with one or two spells of rain or thundershowers
DAY 4:	28-Jul-2023	24	32	Generally cloudy sky with one or two spells of rain or thundershowers
DAY 5:	29-Jul-2023	24	32	Generally cloudy sky with one or two spells of rain or thundershowers
DAY 6:	30-Jul-2023	26	33	Rain or Thundershowers
DAY 7:	31-Jul-2023	26	33	Rain or Thundershowers

OBSERVATIONS RECORDED AT 0830 HRS. IST under MC ITANAGAR

25-Jul-2023

STATION	Maximum Temperature (°C)		Minimum Temperature (°C)		Relative Humidity (%)		Rainfall						Weather Remarks
	Past 24 hrs.	Departure from Normal	Past 24 hrs.	Departure from Normal	At 0830 hrs. IST	Departure from Normal	mm		mm		cm		
							Past 24 hrs.	Departure from Normal	Seasonal Total	Seasonal Departure	Year's Total from 01 January	Annual Normal	
Passighat	34.0	3.3	24.8	1.3	82	-10	38.6	15.7	1493.7	-223.0	222.02	433.46	
Itanagar	29.3		20.6		97		49.8		1439.9	0	208.04		

Legends-

TS : Thunder Storm
RA : Rain
RF: Rain Fall

SCT: Scattered
ISOL: Isolated

FWS: Fairly Wide Spread
WS: Wide Spread

**Duty Meteorological Officer/कर्तव्य मौसम विज्ञान अधिकारी
For Head / प्रमुख के लिए
Meteorological Centre Itanagar/ मौसम विज्ञान केंद्र ईटानगर**

For updated detailed weather forecast, kindly visit our website (<https://mausam.imd.gov.in/itanagar/>)
Phone No. 0360-2266190; Email: mcitanagar@yahoo.com/mcitanagar@gmail.com

Kindly download and use "Mausam" App for location specific forecast and warning, "Meghdoot" App for Agromet advisory, "Damini" App for Lightning warning



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
 एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर
 अरुणाचल प्रदेश केंद्र, बसर -791101



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2023

अनर्जा(अरुणाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
वर्षा (मिमी)	8.0	11.0	15.0	23.0	15.0
अधिकतम तापमान(से.)	27.0	26.0	26.0	26.0	27.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	18.0	18.0	19.0	19.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	88	86	96	96	93
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	53	61	60	62	60
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	7	8	7	8
पवन दिशा (डिग्री)	72	68	68	214	243
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	7	7	7	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 26.0-27.0oC, न्यूनतम 16.0-19.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 86-96 प्रतिशत और 53-62 प्रतिशत होगा, पवन गति: 6.0-8.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: ENE & SW।चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड

में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
मक्का	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।
चावल	डब्ल्यूआरसी धान: उचित जल निकासी और मेड़ों के माध्यम से खेत में उचित जल स्तर बनाए रखें। बेहतर उत्पादन और उत्पादकता के लिए 31 जुलाई तक रोपाई पूरी करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे 20-25 दिन पुराने धान के पौधों को 20 x 10 (R x P) सेमी की दूरी पर तैयार खेतों में रोपें। रोपाई से पहले हमेशा अंकुरों के सिर को काट दें और केवीके और राज्य विभागों के विशेषज्ञों के साथ उचित परामर्श के साथ रूट डिप उपचार का पालन करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
केला	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभांडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
कीवी	कीवी अभी आमतौर पर फल विकास चरण में है। लंबे समय तक बारिश और नमी की स्थिति के कारण कीवी में राइजोक्टोनिया तना सड़न की संभावना रहती है। संभावित लक्षणों में शामिल हैं: रोगजनक लाल भूरे रंग की सूखी कॉर्टिकल जड़ सड़न का कारण बनता है जो तने के आधार तक फैल सकता है। बाद में सीज़न में, पौधे के आधार पर संक्रमण (कॉर्टिकल रोट) के परिणामस्वरूप तेज़ हवाओं के दौरान पौधे टूट सकते हैं। पत्तियों के लक्षण पत्तियों का पीला पड़ना या मुरझाना। प्रबंधन: पौधों के आधार के पास जल जमाव से बचें। बगीचे के आस-पास साफ-सफाई और खरपतवार मुक्त रखें। शुरुआत में पौधे के संक्रमित भागों को खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO ₄) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई और खरपतवार-मुक्त रखें।



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
 एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर
 अरुणाचल प्रदेश केंद्र, बसर -791101



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2023

ऊपरी सियांग(अरुणाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
वर्षा (मिमी)	25.0	18.0	17.0	14.0	11.0
अधिकतम तापमान(से.)	26.0	25.0	25.0	25.0	26.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	17.0	17.0	18.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	87	93	97	96	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	61	58	59	61	62
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	4	3	4	4
पवन दिशा (डिग्री)	158	158	165	161	158
क्लाउड कवर (ओक्ट)	8	7	8	7	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 25.0-26.0oC, न्यूनतम 15.0-18.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 87-97 प्रतिशत और 58-62 प्रतिशत होगा, पवन गति: 3.0-4.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: SSE। चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड

में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
मक्का	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।
चावल	डब्ल्यूआरसी धान: उचित जल निकासी और मेड़ों के माध्यम से खेत में उचित जल स्तर बनाए रखें। बेहतर उत्पादन और उत्पादकता के लिए 31 जुलाई तक रोपाई पूरी करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे 20-25 दिन पुराने धान के पौधों को 20 x 10 (R x P) सेमी की दूरी पर तैयार खेतों में रोपें। रोपाई से पहले हमेशा अंकुरों के सिर को काट दें और केवीके और राज्य विभागों के विशेषज्ञों के साथ उचित परामर्श के साथ रूट डिप उपचार का पालन करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
केला	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभांडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
कीवी	कीवी अभी आमतौर पर फल विकास चरण में है। लंबे समय तक बारिश और नमी की स्थिति के कारण कीवी में राइजोक्टोनिया तना सड़न की संभावना रहती है। संभावित लक्षणों में शामिल हैं: रोगजनक लाल भूरे रंग की सूखी कॉर्टिकल जड़ सड़न का कारण बनता है जो तने के आधार तक फैल सकता है। बाद में सीज़न में, पौधे के आधार पर संक्रमण (कॉर्टिकल रोट) के परिणामस्वरूप तेज़ हवाओं के दौरान पौधे टूट सकते हैं। पत्तियों के लक्षण पत्तियों का पीला पड़ना या मुरझाना। प्रबंधन: पौधों के आधार के पास जल जमाव से बचें। बगीचे के आस-पास साफ-सफाई और खरपतवार मुक्त रखें। शुरुआत में पौधे के संक्रमित भागों को खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO ₄) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई और खरपतवार-मुक्त रखें।



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर

अरुणाचल प्रदेश केंद्र, बसर -791101



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2023

ऊपरी सुबानसिरी(अरुणाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
वर्षा (मिमी)	12.0	25.0	23.0	18.0	15.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	29.0	29.0	29.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	19.0	21.0	21.0	22.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	93	98	99	99	98
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	58	64	60	64	59
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	2	3	3	4
पवन दिशा (डिग्री)	338	153	158	154	153
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 29.0-30.0oC, न्यूनतम 19.0-22.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 93-99 प्रतिशत और 58-64 प्रतिशत होगा, पवन गति: 2.0-4.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: SSE। चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड

में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
चावल	झूम धान: फसल अभी ज्यादातर तना बढ़ाव और पुष्पगुच्छ आरंभ अवस्था में है। बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को भारी बारिश के प्रभाव को रोकने के लिए खेत में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीति बनाए रखने की सलाह दी जाती है। कीड़ों और बीमारियों से बचने के लिए आस-पास साफ-सफाई और घास-फूस मुक्त रखें। वर्तमान मौसम में ब्लास्ट रोग के संक्रमण की संभावना है, इसलिए संभावित लक्षणों के लिए खेत की निगरानी करें जिसमें पत्तियों और तने में गहरे हरे रंग की सीमाओं के साथ सफेद से भूरे-हरे घाव या धब्बे शामिल हैं। प्रारंभिक अवस्था में प्रभावित पौधे को तुरंत उखाड़ कर धान के खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें। मौजूदा मौसम में केमिकल के इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती है।
मक्का	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
केला	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभामंडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
नारंगी	पिछले सप्ताह बारिश और लगातार बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को नियमित रूप से अपने बगीचे की निगरानी करनी चाहिए और पेड़ के तने के पास पानी के जमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए। उभरे हुए क्षेत्र के नीचे पानी के अंकुर और किसी भी अन्य अंकुर को हटा दें। भारी बारिश के प्रभाव से बचने के लिए ढलानों में उगाए गए पौधे के आधार को स्थानीय रूप से उपलब्ध मल्लिचंग सामग्री से ढक दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO ₄) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई और खरपतवार-मुक्त रखें।



Gramin Krishi Mausam Sewa
India Meteorological Department
ICAR Complex Branch
Umiam, Meghalaya



Agromet Advisory Bulletin

Date : 25-07-2023

करदादि(अरुणाचल प्रदेश) Weather forecast of - issued on :2023-07-25 (Valid till 8:30 IST of the next 5 Days)

Parameter	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
Rainfall(mm)	14.0	25.0	23.0	18.0	14.0
Tmax (°C)	29.0	28.0	28.0	28.0	29.0
Tmin (°C)	18.0	20.0	20.0	21.0	21.0
RH I (%)	99	98	99	99	98
RH II (%)	79	74	63	69	65
Wind Speed (kmph)	4	3	3	3	4
Wind Direction (Degree)	112	292	112	117	124
cloud cover (Octa)	8	8	8	8	6

Weather Summary/Alert:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 28.0-29.0oC, न्यूनतम 18.0-21.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 98-99 प्रतिशत और 63-79 प्रतिशत होगा, पवन गति: 3.0-4.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: ESE। चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

General Advisory:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

SMS Advisory:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

Crop Specific Advisory:

Crop	Crop Specific Advisory
MAIZE	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।
RICE	डब्ल्यूआरसी धान: उचित जल निकासी और मेड़ों के माध्यम से खेत में उचित जल स्तर बनाए रखें। बेहतर उत्पादन और उत्पादकता के लिए 31 जुलाई तक रोपाई पूरी करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे 20-25 दिन पुराने धान के पौधों को 20 x 10 (R x P) सेमी की दूरी पर तैयार खेतों में रोपें। रोपाई से पहले हमेशा अंकुरों के सिर को काट दें और केवीके और राज्य विभागों के विशेषज्ञों के साथ उचित परामर्श के साथ रूट डिप उपचार का पालन करें।

Horticulture Specific Advisory:

Horticulture	Horticulture Specific Advisory
BANANA	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभामंडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
KIWI	कीवी अभी आमतौर पर फल विकास चरण में है। लंबे समय तक बारिश और नमी की स्थिति के कारण कीवी में राइजोक्टोनिया तना सड़न की संभावना रहती है। संभावित लक्षणों में शामिल हैं: रोगजनक लाल भूरे रंग की सूखी कॉर्टिकल जड़ सड़न का कारण बनता है जो तने के आधार तक फैल सकता है। बाद में सीजन में, पौधे के आधार पर संक्रमण (कॉर्टिकल रोट) के परिणामस्वरूप तेज़ हवाओं के दौरान पौधे टूट सकते हैं। पत्तियों के लक्षण पत्तियों का पीला पड़ना या मुरझाना। प्रबंधन: पौधों के आधार के पास जल जमाव से बचें। बगीचे के आस-पास साफ-सफाई और खरपतवार मुक्त रखें। शुरुआत में पौधे के संक्रमित भागों को खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें।

Live Stock Specific Advisory:

Live Stock	Live Stock Specific Advisory
COW	वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना

Live Stock	Live Stock Specific Advisory
	<p>और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO₄) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।</p>

Poultry Specific Advisory:

Poultry	Poultry Specific Advisory
CHICKEN	<p>वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ-सफाई और खरपतवार-मुक्त रखें।</p>



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
 एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर
 अरुणाचल प्रदेश केंद्र, बसर -791101



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2023

कुरुंग-कुमे(अरुणाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
वर्षा (मिमी)	15.0	24.0	21.0	18.0	14.0
अधिकतम तापमान(से.)	24.0	23.0	23.0	23.0	24.0
न्यूनतम तापमान(से.)	13.0	15.0	15.0	16.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	94	90	86	90	81
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	55	58	56	62	57
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	4	4	4	6
पवन दिशा (डिग्री)	292	292	292	289	292
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 23.0-24.0oC, न्यूनतम 13.0-16.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 81-94 प्रतिशत और 55-62 प्रतिशत होगा, पवन गति: 4.0-6.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: WNW| चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड

में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
मक्का	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।
चावल	डब्ल्यूआरसी धान: उचित जल निकासी और मेड़ों के माध्यम से खेत में उचित जल स्तर बनाए रखें। बेहतर उत्पादन और उत्पादकता के लिए 31 जुलाई तक रोपाई पूरी करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे 20-25 दिन पुराने धान के पौधों को 20 x 10 (R x P) सेमी की दूरी पर तैयार खेतों में रोपें। रोपाई से पहले हमेशा अंकुरों के सिर को काट दें और केवीके और राज्य विभागों के विशेषज्ञों के साथ उचित परामर्श के साथ रूट डिप उपचार का पालन करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
केला	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभांडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
कीवी	कीवी अभी आमतौर पर फल विकास चरण में है। लंबे समय तक बारिश और नमी की स्थिति के कारण कीवी में राइजोक्टोनिया तना सड़न की संभावना रहती है। संभावित लक्षणों में शामिल हैं: रोगजनक लाल भूरे रंग की सूखी कॉर्टिकल जड़ सड़न का कारण बनता है जो तने के आधार तक फैल सकता है। बाद में सीजन में, पौधे के आधार पर संक्रमण (कॉर्टिकल रोट) के परिणामस्वरूप तेज़ हवाओं के दौरान पौधे टूट सकते हैं। पत्तियों के लक्षण पत्तियों का पीला पड़ना या मुरझाना। प्रबंधन: पौधों के आधार के पास जल जमाव से बचें। बगीचे के आस-पास साफ-सफाई और खरपतवार मुक्त रखें। शुरुआत में पौधे के संक्रमित भागों को खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO ₄) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई और खरपतवार-मुक्त रखें।



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
 एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर
 अरुणाचल प्रदेश केंद्र, बसर -791101



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2023

चांगलांग(अरुणाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
वर्षा (मिमी)	11.0	15.0	14.0	15.0	11.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	30.0	30.0	30.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	22.0	22.0	23.0	23.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	83	89	97	89	92
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	62	60	60	64	58
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	4	4	4	5
पवन दिशा (डिग्री)	112	108	101	108	112
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 30.0-31.0oC, न्यूनतम 20.0-23.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 83-97 प्रतिशत और 58-64 प्रतिशत होगा, पवन गति: 4.0-5.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: ESE। चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड

में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
चावल	झूम धान: फसल अभी ज्यादातर तना बढ़ाव और पुष्पगुच्छ आरंभ अवस्था में है। बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को भारी बारिश के प्रभाव को रोकने के लिए खेत में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीति बनाए रखने की सलाह दी जाती है। कीड़ों और बीमारियों से बचने के लिए आस-पास साफ-सफाई और घास-फूस मुक्त रखें। वर्तमान मौसम में ब्लास्ट रोग के संक्रमण की संभावना है, इसलिए संभावित लक्षणों के लिए खेत की निगरानी करें जिसमें पत्तियों और तने में गहरे हरे रंग की सीमाओं के साथ सफेद से भूरे-हरे घाव या धब्बे शामिल हैं। प्रारंभिक अवस्था में प्रभावित पौधे को तुरंत उखाड़ कर धान के खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें। मौजूदा मौसम में केमिकल के इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती है।
मक्का	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
केला	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभामंडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
नारंगी	पिछले सप्ताह बारिश और लगातार बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को नियमित रूप से अपने बगीचे की निगरानी करनी चाहिए और पेड़ के तने के पास पानी के जमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए। उभरे हुए क्षेत्र के नीचे पानी के अंकुर और किसी भी अन्य अंकुर को हटा दें। भारी बारिश के प्रभाव से बचने के लिए ढलानों में उगाए गए पौधे के आधार को स्थानीय रूप से उपलब्ध मल्लिचंग सामग्री से ढक दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO ₄) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई और खरपतवार-मुक्त रखें।



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
 एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर
 अरुणाचल प्रदेश केंद्र, बसर -791101



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2023

तवांग(अरुणाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
वर्षा (मिमी)	12.0	11.0	14.0	19.0	11.0
अधिकतम तापमान(से.)	19.0	20.0	20.0	21.0	21.0
न्यूनतम तापमान(से.)	12.0	12.0	12.0	13.0	14.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	88	92	90	89	94
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	63	59	61	59	60
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	6	7	7	7
पवन दिशा (डिग्री)	22	248	248	27	27
क्लाउड कवर (ओक्ट)	8	8	8	6	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 19.0-21.0oC, न्यूनतम 12.0-14.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 88-94 प्रतिशत और 59-63 प्रतिशत होगा, पवन गति: 6.0-7.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: NNE & WSW| चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड

में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
मक्का	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।
चावल	डब्ल्यूआरसी धान: उचित जल निकासी और मेड़ों के माध्यम से खेत में उचित जल स्तर बनाए रखें। बेहतर उत्पादन और उत्पादकता के लिए 31 जुलाई तक रोपाई पूरी करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे 20-25 दिन पुराने धान के पौधों को 20 x 10 (R x P) सेमी की दूरी पर तैयार खेतों में रोपें। रोपाई से पहले हमेशा अंकुरों के सिर को काट दें और केवीके और राज्य विभागों के विशेषज्ञों के साथ उचित परामर्श के साथ रूट डिप उपचार का पालन करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
केला	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभांडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
कीवी	कीवी अभी आमतौर पर फल विकास चरण में है। लंबे समय तक बारिश और नमी की स्थिति के कारण कीवी में राइजोक्टोनिया तना सड़न की संभावना रहती है। संभावित लक्षणों में शामिल हैं: रोगजनक लाल भूरे रंग की सूखी कॉर्टिकल जड़ सड़न का कारण बनता है जो तने के आधार तक फैल सकता है। बाद में सीजन में, पौधे के आधार पर संक्रमण (कॉर्टिकल रोट) के परिणामस्वरूप तेज़ हवाओं के दौरान पौधे टूट सकते हैं। पत्तियों के लक्षण पत्तियों का पीला पड़ना या मुरझाना। प्रबंधन: पौधों के आधार के पास जल जमाव से बचें। बगीचे के आस-पास साफ-सफाई और खरपतवार मुक्त रखें। शुरुआत में पौधे के संक्रमित भागों को खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO ₄) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई और खरपतवार-मुक्त रखें।



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर

अरुणाचल प्रदेश केंद्र, बसर -791101



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2023

तिरप(अरुणाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
वर्षा (मिमी)	15.0	18.0	22.0	15.0	11.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	31.0	31.0	31.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	21.0	23.0	23.0	24.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	93	97	93	94	94
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	87	79	77	76	68
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	2	4	3	3
पवन दिशा (डिग्री)	158	162	289	285	158
क्लाउड कवर (ओक्ट)	8	8	8	8	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 31.0-32.0oC, न्यूनतम 21.0-24.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 93-97 प्रतिशत और 68-87 प्रतिशत होगा, पवन गति: 2.0-4.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: SSE & WNW| चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड

में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
चावल	झूम धान: फसल अभी ज्यादातर तना बढ़ाव और पुष्पगुच्छ आरंभ अवस्था में है। बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को भारी बारिश के प्रभाव को रोकने के लिए खेत में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीति बनाए रखने की सलाह दी जाती है। कीड़ों और बीमारियों से बचने के लिए आस-पास साफ-सफाई और घास-फूस मुक्त रखें। वर्तमान मौसम में ब्लास्ट रोग के संक्रमण की संभावना है, इसलिए संभावित लक्षणों के लिए खेत की निगरानी करें जिसमें पत्तियों और तने में गहरे हरे रंग की सीमाओं के साथ सफेद से भूरे-हरे घाव या धब्बे शामिल हैं। प्रारंभिक अवस्था में प्रभावित पौधे को तुरंत उखाड़ कर धान के खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें। मौजूदा मौसम में केमिकल के इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती है।
मक्का	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
केला	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभामंडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
नारंगी	पिछले सप्ताह बारिश और लगातार बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को नियमित रूप से अपने बगीचे की निगरानी करनी चाहिए और पेड़ के तने के पास पानी के जमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए। उभरे हुए क्षेत्र के नीचे पानी के अंकुर और किसी भी अन्य अंकुर को हटा दें। भारी बारिश के प्रभाव से बचने के लिए ढलानों में उगाए गए पौधे के आधार को स्थानीय रूप से उपलब्ध मल्लिचंग सामग्री से ढक दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO ₄) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई और खरपतवार-मुक्त रखें।



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर

अरुणाचल प्रदेश केंद्र, बसर -791101



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2023

दिबांग-घाटी(अरुणाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
वर्षा (मिमी)	13.0	15.0	49.0	46.0	17.0
अधिकतम तापमान(से.)	24.0	23.0	23.0	23.0	24.0
न्यूनतम तापमान(से.)	13.0	15.0	15.0	16.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	79	91	97	98	96
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	57	58	59	61	58
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	6	6	6	7
पवन दिशा (डिग्री)	26	68	202	202	202
क्लाउड कवर (ओक्ट)	8	6	7	7	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 23.0-24.0oC, न्यूनतम 13.0-16.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 79-98 प्रतिशत और 57-61 प्रतिशत होगा, पवन गति: 5.0-7.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: NNE & SSW| चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड

में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
मक्का	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।
चावल	डब्ल्यूआरसी धान: उचित जल निकासी और मेड़ों के माध्यम से खेत में उचित जल स्तर बनाए रखें। बेहतर उत्पादन और उत्पादकता के लिए 31 जुलाई तक रोपाई पूरी करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे 20-25 दिन पुराने धान के पौधों को 20 x 10 (R x P) सेमी की दूरी पर तैयार खेतों में रोपें। रोपाई से पहले हमेशा अंकुरों के सिर को काट दें और केवीके और राज्य विभागों के विशेषज्ञों के साथ उचित परामर्श के साथ रूट डिप उपचार का पालन करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
केला	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभांडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
कीवी	कीवी अभी आमतौर पर फल विकास चरण में है। लंबे समय तक बारिश और नमी की स्थिति के कारण कीवी में राइजोक्टोनिया तना सड़न की संभावना रहती है। संभावित लक्षणों में शामिल हैं: रोगजनक लाल भूरे रंग की सूखी कॉर्टिकल जड़ सड़न का कारण बनता है जो तने के आधार तक फैल सकता है। बाद में सीजन में, पौधे के आधार पर संक्रमण (कॉर्टिकल रोट) के परिणामस्वरूप तेज़ हवाओं के दौरान पौधे टूट सकते हैं। पत्तियों के लक्षण पत्तियों का पीला पड़ना या मुरझाना। प्रबंधन: पौधों के आधार के पास जल जमाव से बचें। बगीचे के आस-पास साफ-सफाई और खरपतवार मुक्त रखें। शुरुआत में पौधे के संक्रमित भागों को खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO ₄) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई और खरपतवार-मुक्त रखें।



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर

अरुणाचल प्रदेश केंद्र, बसर -791101



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2023

निचला सुबानसिरी(अरुणाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
वर्षा (मिमी)	18.0	32.0	24.0	30.0	14.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	29.0	29.0	29.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	19.0	21.0	21.0	22.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	99	99	98	99	99
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	81	82	81	87	74
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	3	4	4	4
पवन दिशा (डिग्री)	338	158	112	135	292
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 29.0-30.0oC, न्यूनतम 19.0-22.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 98-99 प्रतिशत और 74-87 प्रतिशत होगा, पवन गति: 3.0-4.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: SSE & NNW| चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड

में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
चावल	झूम धान: फसल अभी ज्यादातर तना बढ़ाव और पुष्पगुच्छ आरंभ अवस्था में है। बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को भारी बारिश के प्रभाव को रोकने के लिए खेत में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीति बनाए रखने की सलाह दी जाती है। कीड़ों और बीमारियों से बचने के लिए आस-पास साफ-सफाई और घास-फूस मुक्त रखें। वर्तमान मौसम में ब्लास्ट रोग के संक्रमण की संभावना है, इसलिए संभावित लक्षणों के लिए खेत की निगरानी करें जिसमें पत्तियों और तने में गहरे हरे रंग की सीमाओं के साथ सफेद से भूरे-हरे घाव या धब्बे शामिल हैं। प्रारंभिक अवस्था में प्रभावित पौधे को तुरंत उखाड़ कर धान के खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें। मौजूदा मौसम में केमिकल के इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती है।
मक्का	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
केला	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभामंडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
नारंगी	पिछले सप्ताह बारिश और लगातार बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को नियमित रूप से अपने बगीचे की निगरानी करनी चाहिए और पेड़ के तने के पास पानी के जमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए। उभरे हुए क्षेत्र के नीचे पानी के अंकुर और किसी भी अन्य अंकुर को हटा दें। भारी बारिश के प्रभाव से बचने के लिए ढलानों में उगाए गए पौधे के आधार को स्थानीय रूप से उपलब्ध मल्लिचंग सामग्री से ढक दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO ₄) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई और खरपतवार-मुक्त रखें।



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
 एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर
 अरुणाचल प्रदेश केंद्र, बसर -791101



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2023

निचली दिबांग-घाटी(अरुणाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
वर्षा (मिमी)	12.0	18.0	51.0	45.0	18.0
अधिकतम तापमान(से.)	29.0	28.0	28.0	28.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	18.0	20.0	20.0	21.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	89	98	98	94
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	59	57	64	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	4	4	4	5
पवन दिशा (डिग्री)	19	162	198	158	162
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	7	7	7	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 28.0-29.0oC, न्यूनतम 18.0-21.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 85-98 प्रतिशत और 55-65 प्रतिशत होगा, पवन गति: 4.0-5.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: SSW। चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड

में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
चावल	झूम धान: फसल अभी ज्यादातर तना बढ़ाव और पुष्पगुच्छ आरंभ अवस्था में है। बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को भारी बारिश के प्रभाव को रोकने के लिए खेत में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीति बनाए रखने की सलाह दी जाती है। कीड़ों और बीमारियों से बचने के लिए आस-पास साफ-सफाई और घास-फूस मुक्त रखें। वर्तमान मौसम में ब्लास्ट रोग के संक्रमण की संभावना है, इसलिए संभावित लक्षणों के लिए खेत की निगरानी करें जिसमें पत्तियों और तने में गहरे हरे रंग की सीमाओं के साथ सफेद से भूरे-हरे घाव या धब्बे शामिल हैं। प्रारंभिक अवस्था में प्रभावित पौधे को तुरंत उखाड़ कर धान के खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें। मौजूदा मौसम में केमिकल के इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती है।
मक्का	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
केला	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभामंडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
नारंगी	पिछले सप्ताह बारिश और लगातार बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को नियमित रूप से अपने बगीचे की निगरानी करनी चाहिए और पेड़ के तने के पास पानी के जमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए। उभरे हुए क्षेत्र के नीचे पानी के अंकुर और किसी भी अन्य अंकुर को हटा दें। भारी बारिश के प्रभाव से बचने के लिए ढलानों में उगाए गए पौधे के आधार को स्थानीय रूप से उपलब्ध मल्लिचंग सामग्री से ढक दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO ₄) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई और खरपतवार-मुक्त रखें।



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर

अरुणाचल प्रदेश केंद्र, बसर -791101



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2023

पश्चिम-कार्मेग(अरुणाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
वर्षा (मिमी)	18.0	19.0	12.0	42.0	12.0
अधिकतम तापमान(से.)	26.0	25.0	25.0	25.0	26.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	17.0	17.0	18.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	99	99	99	99	98
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	91	85	92	83	65
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	4	4	4	6
पवन दिशा (डिग्री)	161	160	158	153	338
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 25.0-26.0oC, न्यूनतम 15.0-18.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 98-99 प्रतिशत और 65-92 प्रतिशत होगा, पवन गति: 4.0-6.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: SSE। चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड

में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
मक्का	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।
चावल	डब्ल्यूआरसी धान: उचित जल निकासी और मेड़ों के माध्यम से खेत में उचित जल स्तर बनाए रखें। बेहतर उत्पादन और उत्पादकता के लिए 31 जुलाई तक रोपाई पूरी करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे 20-25 दिन पुराने धान के पौधों को 20 x 10 (R x P) सेमी की दूरी पर तैयार खेतों में रोपें। रोपाई से पहले हमेशा अंकुरों के सिर को काट दें और केवीके और राज्य विभागों के विशेषज्ञों के साथ उचित परामर्श के साथ रूट डिप उपचार का पालन करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
केला	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभांडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
कीवी	कीवी अभी आमतौर पर फल विकास चरण में है। लंबे समय तक बारिश और नमी की स्थिति के कारण कीवी में राइजोक्टोनिया तना सड़न की संभावना रहती है। संभावित लक्षणों में शामिल हैं: रोगजनक लाल भूरे रंग की सूखी कॉर्टिकल जड़ सड़न का कारण बनता है जो तने के आधार तक फैल सकता है। बाद में सीज़न में, पौधे के आधार पर संक्रमण (कॉर्टिकल रोट) के परिणामस्वरूप तेज़ हवाओं के दौरान पौधे टूट सकते हैं। पत्तियों के लक्षण पत्तियों का पीला पड़ना या मुरझाना। प्रबंधन: पौधों के आधार के पास जल जमाव से बचें। बगीचे के आस-पास साफ-सफाई और खरपतवार मुक्त रखें। शुरुआत में पौधे के संक्रमित भागों को खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO ₄) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ-सफाई और खरपतवार-मुक्त रखें।



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
 एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर
 अरुणाचल प्रदेश केंद्र, बसर -791101



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2023

पश्चिम-सियांग(अरुणाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
वर्षा (मिमी)	11.0	15.0	22.0	21.0	10.0
अधिकतम तापमान(से.)	26.0	25.0	25.0	25.0	26.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	17.0	17.0	18.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	92	94	97	97	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	59	61	60	58	59
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	3	3	3	4
पवन दिशा (डिग्री)	338	161	154	154	161
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	7	8	7	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 25.0-26.0oC, न्यूनतम 15.0-18.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 92-97 प्रतिशत और 58-61 प्रतिशत होगा, पवन गति: 3.0-4.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: SSE। चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड

में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
चावल	झूम धान: फसल अभी ज्यादातर तना बढ़ाव और पुष्पगुच्छ आरंभ अवस्था में है। बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को भारी बारिश के प्रभाव को रोकने के लिए खेत में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीति बनाए रखने की सलाह दी जाती है। कीड़ों और बीमारियों से बचने के लिए आस-पास साफ-सफाई और घास-फूस मुक्त रखें। वर्तमान मौसम में ब्लास्ट रोग के संक्रमण की संभावना है, इसलिए संभावित लक्षणों के लिए खेत की निगरानी करें जिसमें पत्तियों और तने में गहरे हरे रंग की सीमाओं के साथ सफेद से भूरे-हरे घाव या धब्बे शामिल हैं। प्रारंभिक अवस्था में प्रभावित पौधे को तुरंत उखाड़ कर धान के खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें। मौजूदा मौसम में केमिकल के इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती है।
मक्का	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
केला	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभामंडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
नारंगी	पिछले सप्ताह बारिश और लगातार बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को नियमित रूप से अपने बगीचे की निगरानी करनी चाहिए और पेड़ के तने के पास पानी के जमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए। उभरे हुए क्षेत्र के नीचे पानी के अंकुर और किसी भी अन्य अंकुर को हटा दें। भारी बारिश के प्रभाव से बचने के लिए ढलानों में उगाए गए पौधे के आधार को स्थानीय रूप से उपलब्ध मल्लिचंग सामग्री से ढक दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO ₄) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई और खरपतवार-मुक्त रखें।



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
 एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर
 अरुणाचल प्रदेश केंद्र, बसर -791101



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2023

पूर्व-कार्यक्रम(अरुणाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
वर्षा (मिमी)	12.0	19.0	22.0	25.0	12.0
अधिकतम तापमान(से.)	29.0	28.0	28.0	28.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	18.0	20.0	20.0	21.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	93	96	97	93	94
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	62	61	64	58	58
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	4	4	4	5
पवन दिशा (डिग्री)	22	202	45	63	22
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 28.0-29.0oC, न्यूनतम 18.0-21.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 93-97 प्रतिशत और 58-62 प्रतिशत होगा, पवन गति: 4.0-5.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: NNE & NE। चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड

में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
चावल	झूम धान: फसल अभी ज्यादातर तना बढ़ाव और पुष्पगुच्छ आरंभ अवस्था में है। बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को भारी बारिश के प्रभाव को रोकने के लिए खेत में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीति बनाए रखने की सलाह दी जाती है। कीड़ों और बीमारियों से बचने के लिए आस-पास साफ-सफाई और घास-फूस मुक्त रखें। वर्तमान मौसम में ब्लास्ट रोग के संक्रमण की संभावना है, इसलिए संभावित लक्षणों के लिए खेत की निगरानी करें जिसमें पत्तियों और तने में गहरे हरे रंग की सीमाओं के साथ सफेद से भूरे-हरे घाव या धब्बे शामिल हैं। प्रारंभिक अवस्था में प्रभावित पौधे को तुरंत उखाड़ कर धान के खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें। मौजूदा मौसम में केमिकल के इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती है।
मक्का	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
केला	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभामंडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
नारंगी	पिछले सप्ताह बारिश और लगातार बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को नियमित रूप से अपने बगीचे की निगरानी करनी चाहिए और पेड़ के तने के पास पानी के जमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए। उभरे हुए क्षेत्र के नीचे पानी के अंकुर और किसी भी अन्य अंकुर को हटा दें। भारी बारिश के प्रभाव से बचने के लिए ढलानों में उगाए गए पौधे के आधार को स्थानीय रूप से उपलब्ध मल्लिचंग सामग्री से ढक दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO ₄) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई और खरपतवार-मुक्त रखें।



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
 एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर
 अरुणाचल प्रदेश केंद्र, बसर -791101



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2023

पूर्व-सियांग(अरुणाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
वर्षा (मिमी)	18.0	22.0	55.0	51.0	14.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	32.0	32.0	32.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	24.0	24.0	24.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	83	85	91	91	87
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	60	59	58	61	59
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	4	5	5	5
पवन दिशा (डिग्री)	334	158	158	27	158
क्लाउड कवर (ओक्ट)	8	7	8	8	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 32.0-34.0oC, न्यूनतम 24.0-26.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 83-91 प्रतिशत और 58-61 प्रतिशत होगा, पवन गति: 4.0-5.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: SSE। चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड

में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
चावल	झूम धान: फसल अभी ज्यादातर तना बढ़ाव और पुष्पगुच्छ आरंभ अवस्था में है। बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को भारी बारिश के प्रभाव को रोकने के लिए खेत में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीति बनाए रखने की सलाह दी जाती है। कीड़ों और बीमारियों से बचने के लिए आस-पास साफ-सफाई और घास-फूस मुक्त रखें। वर्तमान मौसम में ब्लास्ट रोग के संक्रमण की संभावना है, इसलिए संभावित लक्षणों के लिए खेत की निगरानी करें जिसमें पत्तियों और तने में गहरे हरे रंग की सीमाओं के साथ सफेद से भूरे-हरे घाव या धब्बे शामिल हैं। प्रारंभिक अवस्था में प्रभावित पौधे को तुरंत उखाड़ कर धान के खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें। मौजूदा मौसम में केमिकल के इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती है।
मक्का	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
केला	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभामंडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
नारंगी	पिछले सप्ताह बारिश और लगातार बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को नियमित रूप से अपने बगीचे की निगरानी करनी चाहिए और पेड़ के तने के पास पानी के जमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए। उभरे हुए क्षेत्र के नीचे पानी के अंकुर और किसी भी अन्य अंकुर को हटा दें। भारी बारिश के प्रभाव से बचने के लिए ढलानों में उगाए गए पौधे के आधार को स्थानीय रूप से उपलब्ध मल्लिचंग सामग्री से ढक दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO ₄) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई और खरपतवार-मुक्त रखें।



Gramin Krishi Mausam Sewa
India Meteorological Department
ICAR Complex Branch
Umiam, Meghalaya



Agromet Advisory Bulletin

Date : 25-07-2023

लंबी डिंग(अरुणाचल प्रदेश) Weather forecast of - issued on :2023-07-25 (Valid till 8:30 IST of the next 5 Days)

Parameter	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
Rainfall(mm)	12.0	14.0	18.0	15.0	11.0
Tmax (°C)	32.0	31.0	31.0	31.0	32.0
Tmin (°C)	21.0	23.0	23.0	24.0	24.0
RH I (%)	80	89	87	89	85
RH II (%)	62	59	68	69	59
Wind Speed (kmph)	4	4	7	6	5
Wind Direction (Degree)	22	281	252	244	75
cloud cover (Octa)	8	8	8	8	6

Weather Summary/Alert:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 31.0-32.0oC, न्यूनतम 21.0-24.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 80-89 प्रतिशत और 59-69 प्रतिशत होगा, पवन गति: 4.0-7.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: NNE & WSW। चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

General Advisory:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

SMS Advisory:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

Crop Specific Advisory:

Crop	Crop Specific Advisory
RICE	झूम धान: फसल अभी ज्यादातर तना बढ़ाव और पुष्पगुच्छ आरंभ अवस्था में है। बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को भारी बारिश के प्रभाव को रोकने के लिए खेत में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीति बनाए रखने की सलाह दी जाती है। कीड़ों और बीमारियों से बचने के लिए आस-पास साफ-सफाई और घास-फूस मुक्त रखें। वर्तमान मौसम में ब्लास्ट रोग के संक्रमण की संभावना है, इसलिए संभावित लक्षणों के लिए खेत की निगरानी करें जिसमें पत्तियों और तने में गहरे हरे रंग की सीमाओं के साथ सफेद से भूरे-हरे घाव या धब्बे शामिल हैं। प्रारंभिक अवस्था में प्रभावित पौधे को तुरंत उखाड़ कर धान के खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें। मौजूदा मौसम में केमिकल के इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती है।
MAIZE	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।

Horticulture Specific Advisory:

Horticulture	Horticulture Specific Advisory
BANANA	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभामंडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
ORANGE	पिछले सप्ताह बारिश और लगातार बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को नियमित रूप से अपने बगीचे की निगरानी करनी चाहिए और पेड़ के तने के पास पानी के जमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए। उभरे हुए क्षेत्र के नीचे पानी के अंकुर और किसी भी अन्य अंकुर को हटा दें। भारी बारिश के प्रभाव से बचने के लिए ढलानों में उगाए गए पौधे के आधार को स्थानीय रूप से उपलब्ध मल्लिचंग सामग्री से ढक दें।

Live Stock Specific Advisory:

Live Stock	Live Stock Specific Advisory
COW	<p>वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO4) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।</p>

Poultry Specific Advisory:

Poultry	Poultry Specific Advisory
CHICKEN	<p>वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ-सफाई और खरपतवार-मुक्त रखें।</p>



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
 एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर
 अरुणाचल प्रदेश केंद्र, बसर -791101



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2023

लोहित(अरुणाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
वर्षा (मिमी)	9.0	12.0	16.0	22.0	10.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	29.0	29.0	29.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	19.0	21.0	21.0	22.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	77	80	84	85	80
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	59	61	58	60	61
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	4	5	4	4
पवन दिशा (डिग्री)	71	68	202	202	68
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	7	7	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 29.0-30.0oC, न्यूनतम 19.0-22.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 77-85 प्रतिशत और 58-61 प्रतिशत होगा, पवन गति: 4.0-5.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: ENE & SSW| चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड

में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
चावल	झूम धान: फसल अभी ज्यादातर तना बढ़ाव और पुष्पगुच्छ आरंभ अवस्था में है। बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को भारी बारिश के प्रभाव को रोकने के लिए खेत में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीति बनाए रखने की सलाह दी जाती है। कीड़ों और बीमारियों से बचने के लिए आस-पास साफ-सफाई और घास-फूस मुक्त रखें। वर्तमान मौसम में ब्लास्ट रोग के संक्रमण की संभावना है, इसलिए संभावित लक्षणों के लिए खेत की निगरानी करें जिसमें पत्तियों और तने में गहरे हरे रंग की सीमाओं के साथ सफेद से भूरे-हरे घाव या धब्बे शामिल हैं। प्रारंभिक अवस्था में प्रभावित पौधे को तुरंत उखाड़ कर धान के खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें। मौजूदा मौसम में केमिकल के इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती है।
मक्का	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
केला	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभामंडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
नारंगी	पिछले सप्ताह बारिश और लगातार बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को नियमित रूप से अपने बगीचे की निगरानी करनी चाहिए और पेड़ के तने के पास पानी के जमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए। उभरे हुए क्षेत्र के नीचे पानी के अंकुर और किसी भी अन्य अंकुर को हटा दें। भारी बारिश के प्रभाव से बचने के लिए ढलानों में उगाए गए पौधे के आधार को स्थानीय रूप से उपलब्ध मल्टिचिंग सामग्री से ढक दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO ₄) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई और खरपतवार-मुक्त रखें।



Gramin Krishi Mausam Sewa
India Meteorological Department
ICAR Complex Branch
Umiam, Meghalaya



Agromet Advisory Bulletin

Date : 25-07-2023

सियांग(अरुणाचल प्रदेश) Weather forecast of - issued on :2023-07-25 (Valid till 8:30 IST of the next 5 Days)

Parameter	2023-07-26	2023-07-27	2023-07-28	2023-07-29	2023-07-30
Rainfall(mm)	11.0	18.0	25.0	20.0	11.0
Tmax (°C)	29.0	28.0	28.0	28.0	29.0
Tmin (°C)	18.0	20.0	20.0	21.0	21.0
RH I (%)	97	98	99	98	99
RH II (%)	81	62	65	69	62
Wind Speed (kmph)	3	4	4	4	4
Wind Direction (Degree)	341	158	27	158	158
cloud cover (Octa)	8	7	8	7	5

Weather Summary/Alert:

मुख्यतः बादल छाए रहेंगे और मध्यम वर्षा की संभावना है।संभावित तापमान: अधिकतम: 28.0-29.0oC, न्यूनतम 18.0-21.0oC।सुबह और संध्या अपेक्षित सापेक्ष आर्द्रता : 97-99 प्रतिशत और 62-81 प्रतिशत होगा, पवन गति: 3.0-4.0 किमी प्रति घंटा, हवा की दिशा: SSE। चेतावनी: अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है।

General Advisory:

1. अधिकांश स्थानों पर बिजली गिरने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि बादल वाले दिनों में खेत में काम करते समय सतर्क रहें। 2. अगले दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सब्जियों, दलहन, मक्का एवं फसलों की नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। 3. किसानों को फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का स्प्रे न करने की भी सलाह दी जाती है। 4. परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उचित आश्रयों में भंडारण करें, 5. जल निकायों जैसे नदी आदि से दूर पशुधन/मुर्गी के लिए सुरक्षित और शुष्क आश्रय सुनिश्चित करें। 6. सूक्ष्मजीवी रोगों के प्रसार से बचने के लिए पशुधन/कुक्कुट शेड में और उसके आसपास उचित स्वच्छता बनाए रखें। 7. तालाब में पानी के भारी प्रवाह को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर बंधों की तुरंत मरम्मत करें।

SMS Advisory:

मवेशियों में एफएमडी और पोल्ट्री में फाउल पॉक्स के लिए मौसम बहुत अनुकूल है, उचित सावधानी और उपचार सुनिश्चित करें।

Crop Specific Advisory:

Crop	Crop Specific Advisory
RICE	झूम धान: फसल अभी ज्यादातर तना बढ़ाव और पुष्पगुच्छ आरंभ अवस्था में है। बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को भारी बारिश के प्रभाव को रोकने के लिए खेत में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीति बनाए रखने की सलाह दी जाती है। कीड़ों और बीमारियों से बचने के लिए आस-पास साफ-सफाई और घास-फूस मुक्त रखें। वर्तमान मौसम में ब्लास्ट रोग के संक्रमण की संभावना है, इसलिए संभावित लक्षणों के लिए खेत की निगरानी करें जिसमें पत्तियों और तने में गहरे हरे रंग की सीमाओं के साथ सफेद से भूरे-हरे घाव या धब्बे शामिल हैं। प्रारंभिक अवस्था में प्रभावित पौधे को तुरंत उखाड़ कर धान के खेत से दूर जलाकर नष्ट कर दें। मौजूदा मौसम में केमिकल के इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती है।
MAIZE	फसल मुख्यतः रेशम बनने और पकने की अवस्था में है। किसानों को जल जमाव और बाढ़ से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। यदि पिछले सप्ताह में भारी बारिश के कारण पौधों की जड़ें उजागर हो गई हैं, तो इसे खेत के अवशेषों से ढक दें। ढलानों में उचित अपवाह प्रबंधन रणनीतियाँ बनाए रखें। परिपक्व फसल की कटाई करें और सूखने के लिए उचित शेड में लटका दें।

Horticulture Specific Advisory:

Horticulture	Horticulture Specific Advisory
BANANA	उच्च सापेक्ष आर्द्रता, लंबे समय तक बारिश और लंबे समय तक पत्तियों के गीलेपन ने केले में पीला सिगाटोका रोग के लिए स्थिति को अनुकूल बना दिया। लक्षण पत्ती पर पीली, पीली धारियों (1 - 2 मिमी) के रूप में दिखाई देते हैं जो समय के साथ मिलकर गहरे, भूरे से काले धब्बों के रूप में पीले प्रभामंडल से घिरे होते हैं। प्रारंभ में संक्रमित पौधे के हिस्सों को हटा दें और नष्ट कर दें। उचित जल निकासी प्रदान करें और खेतों में जल जमाव से बचें जो संक्रमण को बढ़ावा देता है। भारी संक्रमण के मामले में, साफ सूखे दिनों के दौरान या उचित स्टिकर का उपयोग करके 10-15 दिनों के अंतराल पर कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत या प्रोपिकैनोजोल 0.1% या मैनकोज़ेब 0.25% और टीपोल (चिपकने वाला एजेंट) का 3 बार छिड़काव करें।
ORANGE	पिछले सप्ताह बारिश और लगातार बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, किसानों को नियमित रूप से अपने बगीचे की निगरानी करनी चाहिए और पेड़ के तने के पास पानी के जमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए। उभरे हुए क्षेत्र के नीचे पानी के अंकुर और किसी भी अन्य अंकुर को हटा दें। भारी बारिश के प्रभाव से बचने के लिए ढलानों में उगाए गए पौधे के आधार को स्थानीय रूप से उपलब्ध मल्लिचंग सामग्री से ढक दें।

Live Stock Specific Advisory:

Live Stock	Live Stock Specific Advisory
COW	<p>वर्तमान गर्म और गीले मौसम की स्थिति में मवेशियों/सूअरों में एफएमडी रोग होने की संभावना है। इसलिए संभावित लक्षणों के लिए नियमित रूप से जानवरों की निगरानी करें। लक्षणों में होठों का फटना और चटकना, कांपना, पैर कोमल होना और दर्द होना, दूध का कम आना, पैरों पर घाव और छाले और बढ़ा हुआ तापमान शामिल हैं। पाए जाने पर संदिग्ध पशुओं को तुरंत अलग कर अन्य पशुओं से दूर अलग स्थान पर रखें तथा उनके लिए अलग बर्तन आदि का प्रयोग करें। प्रभावित पशुओं के मुंह और पैरों को 1% पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO4) एंटीसेप्टिक माउथ वॉश से दिन में 3-4 बार धोना चाहिए। घावों पर ग्लिसरीन लगाया जा सकता है। योग्य पशु चिकित्सक से एंटीबायोटिक उपचार एवं परामर्श लेना चाहिए।</p>

Poultry Specific Advisory:

Poultry	Poultry Specific Advisory
CHICKEN	<p>वर्तमान गीले मौसम की स्थिति में, पोल्ट्री में फाउल पॉक्स रोग की संभावना अधिक है। इसलिए किसानों को अपने पक्षियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। लक्षणों में कंघी, बालों, पलकों, चेहरे और पैरों पर पपड़ी या मस्से जैसे घाव, पलक में सूजन और आंखें बंद या पपड़ीदार होना, मुंह में पीले नासूर घाव, वजन कम होना, भूख न लगना और पानी का कम सेवन शामिल हैं। पशुचिकित्सक की देखरेख में फाउल पॉक्स के खिलाफ उचित टीकाकरण सुनिश्चित करें। मच्छर बीमारी के प्रमुख वाहक हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि मच्छरों के प्रजनन से बचने के लिए शेड के पास पानी का जमाव न हो। अपने आस-पास साफ-सफाई और खरपतवार-मुक्त रखें।</p>